फोन : +91–0522–2242486
मोबाइल : 09415418566, 09335019355

फैक्स : +91–0522–2242486
e-mail : coldstorage@fcaoi.org

# कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

वाटर वर्क्स रोड, ऐशबाग, लखनऊ – 226004

414/ सी.एस.ए.27/ 67/ 2015 दिनाक 10.8.2015

**ई मेलः cmup@nic.in**

आदरणीय मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश,
5, कालीदास मार्ग,
लखनऊ

आदरणीय मुख्य मत्री जी,

**विषयः भन्डारित आलू की दुर्दशा के सम्बन्ध मे।**

आप के सज्ञांन में लाना है कि इस समय शीतगृहों में भन्डारित आलू की बेहद दुर्दशा हो रही है। बाजार भाव इतने कम हो गए है कि भन्डारर्णकर्ता को अपने उत्पादन की लागत भी नही आ रही है। भन्डारण खर्च अलग से देना पड़ रहा है। भन्डारण के समय आलू का थोक मूल्य अनुमन्तः 350 रूपए से 450 रूपए कुन्तल था। इस समय आलू का थोक मूल्य 300 रूपए से 500 रूपए कुन्तल चल रहा है, जिस मे भन्डारणकर्ता को भन्डारण खर्च अलग से वहन करना है। भन्डारण खर्चः शीतगृह भन्डारण प्रभार, खाली बोरे की लागत, सफाई, मजदूरी व पल्लेदारी, ट्रक य ट्रैक्टर द्वारा लाने ले जाने की कीमत, मण्डी में बिकी की दलाली, छंटाई, बिनाई आदि खर्च जो कि करीब 350 रूपए से 400 रूपए कुन्तल बैठता है अलग से देना पड़ता है अतः अनुमान लगाया जा सकता है की भन्डारणकर्ता कितने बड़े घाटे से गुजर रहा है।

यह गिरे हुए भाव किसानो को अगली आलू की बुआई के लिए भी हतोत्साहित करेगे। अगले साल आने वाली फसल में आलू की बुआई कम होगी और इस कारण आलू का उत्पादन गिर जाऐगा और फिर आलू के भाव बेहिसाब चढ जाऐगे जैसा पिछले वर्ष हुआ था।

इस वर्ष उत्तर प्रदेश मे आज तक का रिकार्ड आलू उत्पादन हुआ जो कि करीब 1 करोड़ चालीस लाख टन था। इस मे से अनुमानतः 1 करोड़ 14 लाख टन आलू शीतगृहो मे भन्डारित हुआ।

क्रम१....2

फोन : +91–0522–2242486
मोबाइल : 09415418566, 09335019355

फैक्स : +91–0522–2242486
e-mail : coldstorage@fcaoi.org

# कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

वाटर वर्क्स रोड, ऐशबाग, लखनऊ – 226004



यह भन्डारित आलू 31 अक्टूबर तक अवश्य निकल जाना चाहिए क्योकि अक्टूबर अन्त तक उत्तर प्रदेश मे आलू की नई फसल आ जाती है और फिर भन्डारित आलू के भाव बिलकुल भी नही मिलते। इस भन्डारित आलू, जिस की मात्रा भन्डारण के समय 1 करोड़ 14 लाख टन के आस पास थी, अनुमान्त इस समय भी शीतगृहो मे 85 लाख टन आलू बचा है, जिसे आगामी 75/80 दिनो मे निकल जाना चाहिए, जिसका चालू रफ्तार से निकल जाना प्राया असम्भव लगता है।

यह भन्डारित माल अधिकाश्तः आलू उत्पादक किसानो का है जिस के कारण आलू किसान बेहद परेशान व दुखी है। साथ मे शीतगृहो को अपार हानि का सामना करना पड़ रहा है।

यदि समय रहते कुछ कदम उठा लिए गए तो शायद भन्डारणकर्ताओ का कुछ लाभ हो जाए। इस सम्बंध मे हमारे कुछ निम्नलिखित सुझाव हैः -

1. थोक वा फुटकर आलू भाव मे बहुत बड़ा अन्तर है। जो आलू थोक मे 5 रूपए किलो आराम से बिक रहा है, वही आलू फुटकर मे 10 से 12 रूपए किलो चल रहा है। सरकार यदि कोई एजेंसी लगा कर किसान भन्डारणकर्ताओ के आलू को लेकर बिकी करा दे तो किसानो को व जनता को बहुत लाभ पहुँचेगा, किसानो को उचित मूल्य मिल जाऐगा और जनता को सस्ता आलू। इस कदम से पूरे प्रदेश में सरकार की वाह वाही हो जाऐगी।
2. आलू की बिकी पर किसी भी प्रकार का मण्डी टैक्स तुरन्त हटा दिया जाना चाहिए। इस से बाजार भाव गिरेगे और आलू की खपत बढ जाएगी।
3. सरकार आलू को मिड-डे-मील मे लगाने का भी आदेश दे सकती है।
4. किसी भी प्रकार की सब्सीडी, वह भी केवल किसान भन्डारणकर्ताओ, को दी जानी उचित होगी, जैसे ट्रांसपोर्ट सब्सीडी, अर्थात जैसे वह यदि 500 किलोमीटर दूर अपना आलू बिकी के लिए ले जाते है तो 100 रूपए से 150 रूपए प्रति कुन्तल की छूट दी जा सकती है। अन्य प्रान्त जैसे गुजरात, पश्चिमी बंगाल में इसी प्रकार की छूट का प्राविधान किया हुआ है।

क्रमश....3